प्रभु मांगु तारी पास

प्रभु मांगु तारी पास, मारी पुरी करजो आश –2
प्रभु मांगी मांगीने मांगु एटलु, –2
मने आवतो जनम एवो आपजो –2.....

जन्म महाविदेह होय – आ–आ–आ.....
जन्म महाविदेह होय, वळी तीर्थंकर कुल होय–2
पारणामां नवकार संभळाय रे,
वर्ष आठ मुज होय, संतो समोसन्या होय–2
उमंगे व्याख्यान जवाय रे,
मने आवतो जनम एवो आपजो–2....., प्रभ...

सांभळी वैराग्य थाय – आ–आ–आ.....
सांभळी वैराग्य थाय,संयमनी अनुमती मळी जाय–2
त्या आवीना कोई अंतराय रे,
संयम जीवन केवाय, तपकरी कर्म खपाय,
वळी चौदे पुरव भणाय रे,
मने आवतो जनम एवो आपजो –2..प्रभु

JYSC

भवसागर मे नैया पडी

भवसागर मे नैया पडी – 2
ध्यान दई दे, घडी दो घडी....
ओ प्यारी प्यारी सुरतियां बतादो – 2
प्यार की इक नजर है बडी
ध्यान दईदे – 2, घडी दो घडी

भवसागर मे....

मेरे जीवन का, कहेना भी क्या – 2
जहां सुखकी, झलक भी ना हो – 2
वो जुबानी.... जुबानी नही
जिसकी कोइ निशानी ना हो
हा.... निशानी ना हो
अब तुझसे, ही माया जडी
ध्यान दईदे – 2, घडी दो घडी

भवसागर मे....

आज दुनीयासे नाता रहा – 2
ऐसे नातोसे लेनाभी क्या –2
मेरा जीवन तो कुछ भी नही
ऐसे जीवनका कहेना भी क्या
हा कहेना भी क्या....
यहां रहने की किसको पडी
ध्यान दईदे – 2, घडी दो घडी

भवसागर मे....

JYSS

शंखेश्वर जाऊ

हाल साथे हाल पार्श्वनाथ देखाडु–2.....
के हाल साथ हाल पार्श्वनाथ देखाडु
शंखेश्वर जाऊ .....,

पार्श्वनाथ बिराजे शंखेश्वरमां
एवा पार्श्व बसे छे मारा दीलमां–2
एनु मुखडु जोता, एना दर्शन करता–2
हुं पावन थई जाऊ
अंतिरक्ष जाऊ के अमिझरा जाऊ
हाल साथे हाल पार्श्वनाथ देखाडु
शंखेश्वर जाऊ .....

हे भवसागरथी अमने उगारो
मोक्ष मारग नो राह देखावो
मंडल नी विनंती तमे स्विकारो
अमे भक्ती करतो तारो
नाकोडाजी जाऊ के जैसलमेर जाऊ
हाल साथे हाल पार्श्वनाथ देखाडु
शंखेश्वर जाऊ .....

JYSS

शंखेश्वर का नाथ है

शंखेश्वर का नाथ है हमारा तुमारा...2
पार्श्वनाथ के दर्शन पावे, जीवन हो सुखकारा
शंखेश्वर का.....

कैसी सुंदर काया भक्तों के मन भाये
कान मे कुंडल सोहे, मस्तक मुकुट सुहाये
मन की इच्छा पुरी होवे, आये द्वार तिहारा
शंखेश्वर का.....

इस तीरथ के कंकर पत्थर हम बन जाये
भक्त हम पर चल कर, प्रभु दर्शन को आये
सच्चे मन से ध्यान लगाये, होवे जग से न्यारा
शंखेश्वर का.....

तिरथ के दर्शन को भक्त हजारो आये
करके प्रभु का पुजन, अपने पाप खपाये
भैरव मंडल को तारो है जग तारणहारा
शंखेश्वर का.....

JVSG

मुरत बस गई हिवडें मे

मुरत बस गई हिवडें मे, ज्योत जगी मारा तन मन मे
मारा अंतर रा शणगार है, महावीरजी – 2
सुरज उग्यो पुरब मे, मोती बरसे भुतल मे
थारा मुखडो घणो मलकाय है, महावीरजी –2

मुरत बस गई.....

चंदन बाला वा दु:खीयारी, रोती काली रातो मे –2
मोडी कर दी उनने, उनरी बेडी पगो हाथो मे –2
याद किया उण जिनवर ने –2, आप पधार्या उन पलमे
करीयो थे उद्धार है, महावीरजी –2

मुरत बस गई.....

अर्जुन माली घोर पापकर, पापी बन शरणे अ्यो –2
महावीर है शासन नायक, थारा मन मे वो भायो –2
करुणा उनपर बरसाई –2, तार दियो थे पल माही
थारी महिमा अपरंपार है, महावीरजी –2

मुरत बस गई.....

चंडकोशीयो नाग आपरा, दर्शन कर पावन बनीयो –2
मंडल आपरो सुमरण करनो, शासन रो रसीयो बनीयो –2
शिव सुख मांगे वादो मे –2, थारी यादो मे
थारी आखे मन हरखाय है, महावीरजी –2

मुरत बस गई.....

प्रभु एक वार दर्शन देजो ना

प्रभु एक वार दर्शन देजो ना, ओ महावीरा – 2
सब भक्तो की आशा पुरी करदे ना, ओ महावीरा – 2
मे तो धुप लाऊ, दिप लाऊ, पुजा करने आज मे आऊ,
शरणे लेलो.....
दरपे तेरे मे आया हुं, ओ महावीरा

प्रभु एक वार.....

पार करदे ना बेडा भक्तों का, ओ महावीरा – 2
वीर दु:खीओंकी दु:ख को हरलेना, ओ महावीरा – 2
मे तो गीत गाऊ, गुंज गाऊ, ध्यान तेरे भुल जाऊ,
कब में तेरी.....
चरणो की धुल बनाऊंगा, ओ महावीरा

प्रभु एक वार.....

मे तो एक बार वितरागी बनजाऊ, ओ महावीरा – 2
सारा जिवन तेरे नाम कर जाऊ, ओ महावीरा – 2
मे तो मोह छोडु, माया छोडु, जगके सारे सुख छोडु,
भावना जागी.....
वैरागी जिवन बिताऊ मे, ओ महावीरा

प्रभु एक वार.....

JYSS

हमको करो भवपार

सुनो प्रभुजी, विनंती सुनलो – 2, हमको करो भवपार
भक्ती मे झुमेंगे तेरे भक्तों के साथ – 2

करुणा का सागर है तु, दुखियों का है दाता
फिर क्यु तरसाये मुझको, देना सहारा –2
दुनिया मे नाम है तेरा, सबने तुझको है चाहा
तेरी महिमा को है गाया, गुंजे हर देशमां –2
हम तुम्हारे, द्वार खडे है – 2, भरदे झोली आज
भक्ती मे झुमेंगे.....

जिवन मे छाया अंधेरा, पापो ने मुझको घेरा
दिल से पुकारु तुझको, तु ही मेरा उजाला –2
भवभव से भटक रहा हु, तेरा ही नाम लेके
बढते इन तुफानों मे, तेरी ही आश लेके –2
हर जनम मे, तुझको ही पाये – 2, यही हमारी आश
भक्ती मे झुमेंगे.....

दरपे प्रभु के आके, दर्शन प्रभु के पाके
मिट जाये सारे, कर्मों के ये फेरे –2
क्या साथ लेके आया, क्या साथ लेके जाना
प्रभुका तु नाम लेले, आयेगा साथ तेरे –2
मे तो आज, भक्ती करने – 2, मंडल लाया साथ
भक्ती मे झुमेंगे.....

JYSD

ये तो प्रभुवर का दरबार है

ये तो प्रभुवर का दरबार है, महिमा उसकी अपार है
मेरे भगवन तु मुझको तिरा, मेरी नैया तो मझधार है
ये तो प्रभुवर.....

प्रभु तुम हो महान, करु तेरा में ध्यान
ज़ान तुमसे मिला, हुआ सबका भला..... हों
वाणी ऐसी है जो, करदे सबको मगन
जो भी कोई सुने, लगे उसको लगन..... हों
कितने उपकार है क्या कहे, ये बताना ना आसान है
मेरे भगवन..... ये तो प्रभुवर.....

कितने मंदिर यहां, पावन तीर्थ यहां
लोग जाये जहां, दर्शन करते वहां..... हों
तेरी छाया रहे, रहती दुनिया तलक
एक पल ना रहे, बिन देखे झलक..... हों
प्रभु वाणी सदियों तक रहे, सबके दिल में ये अरमान है
मेरे भगवन..... ये तो प्रभुवर.....

मेरे दिल में हो तुम, मेरी सासों में तुम
मेरी वाणी में तुम, मेरे गीतों में तुम..... हों
मन मंदिर मे रहो, प्रभु आप सदा
भैरव मंडल तेरे, गुन गाये सदा
मेरा जीवन ये जब तक रहे, तेरा आशीष भी तक रहे
मेरे भगवन..... ये तो प्रभुवर.....

JVSS